हेपेटाइटिस C को अपने घर मत लाइए

इसका इलाज कराइए यह जानलेवा नही है।

हेपेटाइटिस (C) इन्फेक्शन के सामान्य लक्षण

- बुखार
- सिरदर्द
- जी मचलाना
- पेट में दर्द होना
- भूरे रंग का पखाना होना
- हर समय थका–थका महसूस करना
- मानसिक दबाव में रहना
- उलटी होना
- भूख न लगना
- पीला पेशाब होना
- जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द होना
- जॉन्डिस (त्वचा और आँख का पीला पड़ना)

हेपेटाइटिस (C) बीमारी का इलाज क्या है?

आपके खून की जाँच कर डॉक्टर यह जान सकते हैं कि आपको किस प्रकार का हेपेटाइटिस हुआ है। आपका इलाज हेपेटाइटिस के प्रकार पर निर्भर करता है।

- अगर आपको ज्यादा कमजोरी है तो डॉक्टर आपको अस्पताल में भर्ती होने के लिए कह सकते हैं।
- केवल अपने डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाओं का ही उपयोग करें। अन्य दवाओं का प्रयोग आपके लीवर पर बुरा असर पड़ सकता है।
- शराब न पीएं, क्योंकि इससे आपके लीवर को नुकसान पहुँचता है।
- धूम्रपान न करें और कोई अन्य व्यक्ति सिगरेट, बीड़ी, हुक्का आदि पी रहा है तो उसके पास नहीं रहें।
- साफ पानी का ही इस्तेमाल करें। आराम करें।
- डॉक्टर की सलाह के अनुसार अपने खानपान में बदलाव करें।
- कम चर्बी (Fat) और ज्यादा प्रोटीन (Protein) वाला आहार लेना चाहिए।
- ज्यादा तेल, घी और मिर्च–मसाले वाला आहार नहीं लेना चाहिए।
- रोगी को फल तथा हरी सब्जियों का सूप आदि बना कर देना चाहिए।

AIDENT
AN INITIATIVE FOR DEVELOPMENT & EMPOWERMENT

सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन

Address : 3rd floor, B - 22, Ghazipur, Delhi
E- mail : aidentsworg@yahoo.com
website : www.aident.org
Phone No : 011 - 27631191

कृप्या हमारे हेल्थ कैंप मे आकर अपनी जाँच कराएं।

ध्यान रखें

हेपेटाइटिस-C ?

जाँच कराएं और स्वस्थ रहें

इसे जड़ से खत्म किया जा सकता है।

हेपेटाइटिस (C) होने के कारण

वैसे रोगियों जो संकमित व्यक्ति से खून प्राप्त करते है, उन्हें हेपेटाइटिस सी (C) हो सकता है। यह कई स्थितियों में हो सकता है:

- किसी संक्रमित व्यक्ति का ड्रग सुइयों, रेजर या टुथब्रश का प्रयोग करना।
- जिसने वर्ष 2001 से पहले ब्लड ट्रांसफुजन के माध्यम से खून प्राप्त किया हो।
- हेपेटाइटिस सी से संक्रमित माँ से जन्में बच्चे (गभवती माँ से नवजात शिशु का संक्रमण की 6 प्रतिशत संभावना होती है।)
- वैसे संक्रमित उपकरणों से गोदना या शरीर में छिद्रण जिसका संक्रमित व्यक्ति पर प्रयोग किया गया है।
- दुर्घटना से वैसी सुई का शरीर में प्रवेश हो जाना संक्रमित व्यक्ति को लगाई गई हो।
- जिसका कभी संक्रमित मशीन से हेमोडायलिसिस हुआ हो।
- जो कभी जेल में काम किया हो या सजा काटी हो।
- कभी–कभी संकमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन संबंध से भी हेपेटाइटिस का संक्रमण हो सकता है।

ध्यान रखें

कृप्या हमारे हेल्थ कैंप मे आकर अपनी जाँच कराएं।

AIDENT
AN INITIATIVE FOR DEVELOPMENT & EMPOWERMENT

सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन

Address : 3rd floor, B - 22, Ghazipur, Delhi
E- mail : aidentsworg@yahoo.com
website : www.aident.org
Phone No : 011 - 27631191

हेपेटाइटिस- C

आप शिकार तो नही?

अपना और अपने लीवर का ध्यान रखें

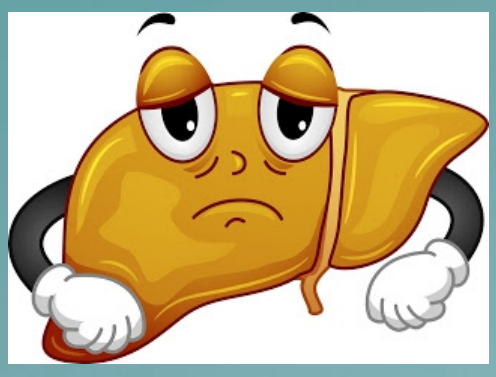

आप कैसे जानेंगे कि आपको हेपेटाइटिस(C) इंफेक्शन है या नहीं?

आपको हेपेटाइटिस इंफेक्शन है या नहीं इसे जानने का केवल एक ही तरीका है कि आप इसकी जाँच करवाएँ। डॉक्टरों द्वारा इसकी जाँच दो तरीकों से की जाती है:

- रक्त की जाँच जिसमें वायरस की उपस्थिति में शरीर द्वारा तैयार की जा रही ऐंटीबौडीज़–प्रोटीन का परीक्षण किया जाता है।
- वायरस द्वारा तैयार किए जाने वाले एक आरएनए (RNA) तत्त्व की जाँच।
- अधिकतर लोग, जिनकी Antibody जाँच निगेटिब (नकारात्मक) हैं, उन्हें हेपेटाइटिस सी (C) संक्रमण नहीं हैं और उन्हें अतिरिक्त जाँच कराने की आवश्यकता नहीं हैं।

डरिए मत
इसका इलाज कराइए
यह ठीक हो सकता है

सावधान

कृप्या हमारे हेल्थ कैंप मे आकर अपनी जाँच कराएं।

AIDENT AN INITIATIVE FOR DEVELOPMENT & EMPOWERMENT

सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन

Address : 3rd floor, B - 22, Ghazipur, Delhi

E- mail : aidentsworg@yahoo.com

website : www.aident.org

Phone No : 011 - 27631191